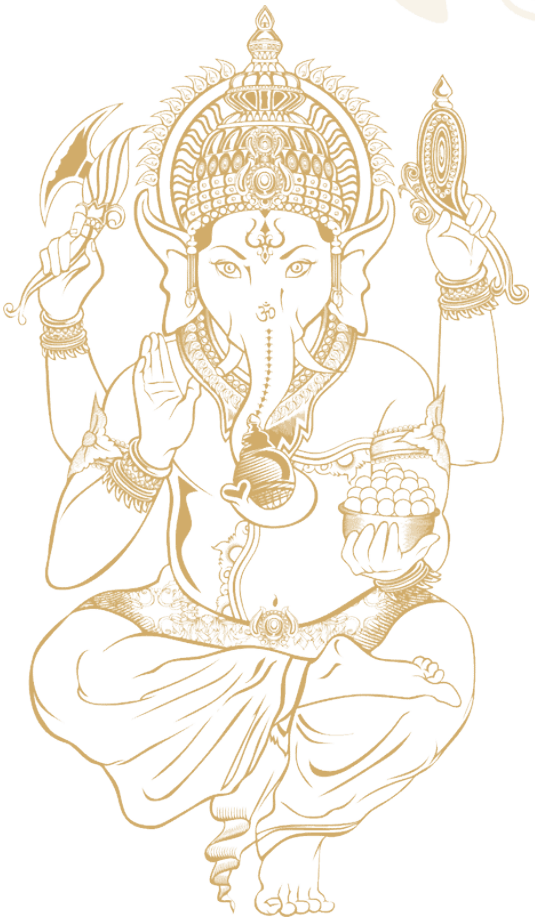

Anvi

21 Mar 2026

06:22 AM

Lakhimpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121726606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:22:00 घंटे**
इष्ट	01:54:26 घटी
स्थान	**Lakhimpur**
देश	India

अक्षांश	26:02:00 उत्तर
रेखांश	90:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:31:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:53:12 घंटे
वेलान्तर	-00:07:13 घंटे
साम्पातिक काल	18:47:27 घंटे
सूर्योदय	05:36:13 घंटे
सूर्यास्त	17:40:12 घंटे
दिनमान	12:03:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:11:37 मीन
लग्न के अंश	22:03:48 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	22:03:48	488:20:29	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	---
सूर्य			मीन	06:11:37	00:59:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	02:20:32	14:24:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:17:42	00:47:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:16:05	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:01:15	00:01:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	23:52:52	01:14:16	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:57:18	00:07:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:39:47	00:03:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:39:47	00:03:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:05:43	00:02:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:33:52	00:02:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:47:21	00:01:14	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	16:41:05	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

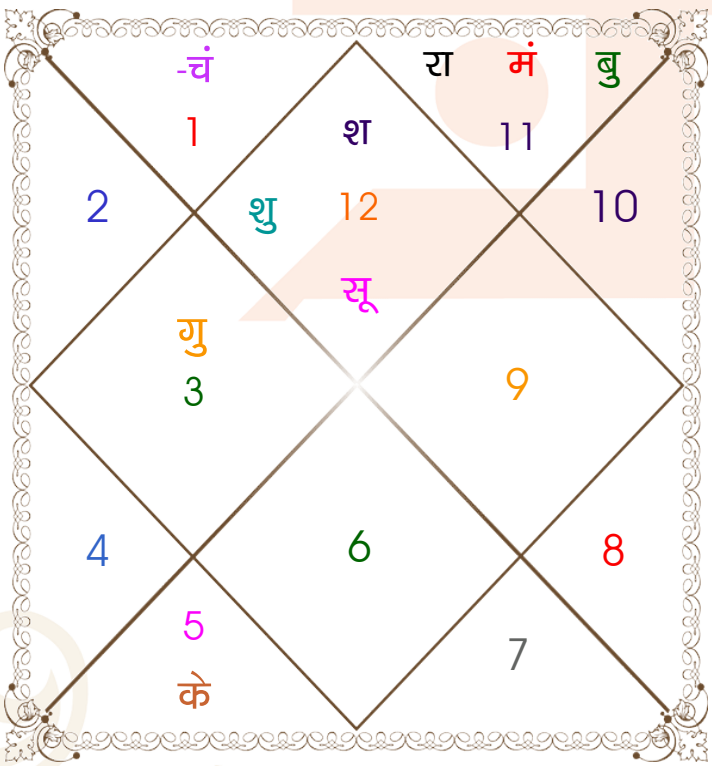

चन्द्र कुंडली

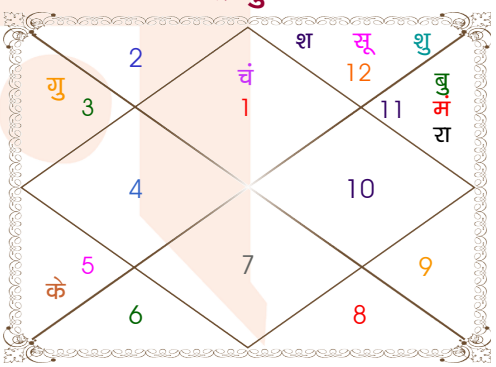

नवमांश कुंडली

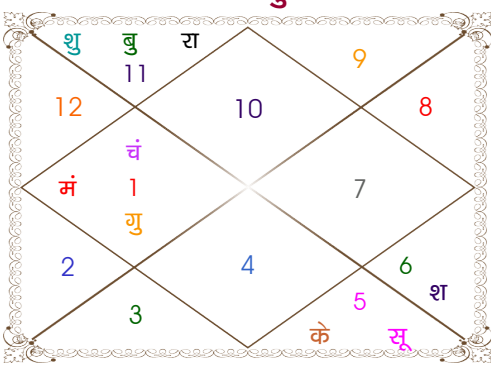

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/2026		27/12/2031		27/12/2051		27/12/2057		27/12/2067	
27/12/2031		27/12/2051		27/12/2057		27/12/2067		27/12/2074	
	21/03/2026	शुक्र	28/04/2035	सूर्य	15/04/2052	चंद्र	27/10/2058	मंगल	25/05/2068
शुक्र	25/07/2026	सूर्य	27/04/2036	चंद्र	15/10/2052	मंगल	28/05/2059	राहु	12/06/2069
सूर्य	30/11/2026	चंद्र	27/12/2037	मंगल	19/02/2053	राहु	26/11/2060	गुरु	19/05/2070
चंद्र	01/07/2027	मंगल	26/02/2039	राहु	14/01/2054	गुरु	28/03/2062	शनि	28/06/2071
मंगल	27/11/2027	राहु	26/02/2042	गुरु	02/11/2054	शनि	28/10/2063	बुध	24/06/2072
राहु	14/12/2028	गुरु	27/10/2044	शनि	15/10/2055	बुध	28/03/2065	केतु	20/11/2072
गुरु	20/11/2029	शनि	27/12/2047	बुध	21/08/2056	केतु	27/10/2065	शुक्र	20/01/2074
शनि	30/12/2030	बुध	27/10/2050	केतु	27/12/2056	शुक्र	28/06/2067	सूर्य	28/05/2074
बुध	27/12/2031	केतु	27/12/2051	शुक्र	27/12/2057	सूर्य	27/12/2067	चंद्र	27/12/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/12/2074		27/12/2092		28/12/2108		28/12/2127		28/12/2144	
27/12/2092		28/12/2108		28/12/2127		28/12/2144		00/00/0000	
राहु	08/09/2077	गुरु	14/02/2095	शनि	31/12/2111	बुध	26/05/2130	केतु	26/05/2145
गुरु	02/02/2080	शनि	27/08/2097	बुध	10/09/2114	केतु	23/05/2131	शुक्र	22/03/2146
शनि	09/12/2082	बुध	03/12/2099	केतु	19/10/2115	शुक्र	23/03/2134		00/00/0000
बुध	27/06/2085	केतु	09/11/2100	शुक्र	19/12/2118	सूर्य	28/01/2135		00/00/0000
केतु	16/07/2086	शुक्र	11/07/2103	सूर्य	01/12/2119	चंद्र	28/06/2136		00/00/0000
शुक्र	16/07/2089	सूर्य	28/04/2104	चंद्र	01/07/2121	मंगल	25/06/2137		00/00/0000
सूर्य	09/06/2090	चंद्र	28/08/2105	मंगल	10/08/2122	राहु	13/01/2140		00/00/0000
चंद्र	09/12/2091	मंगल	04/08/2106	राहु	16/06/2125	गुरु	20/04/2142		00/00/0000
मंगल	27/12/2092	राहु	28/12/2108	गुरु	28/12/2127	शनि	28/12/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि ने आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया है। यदि आप वासना के प्रति अपनी मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल महिला बन जाएंगी। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझी जाएंगी तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगी तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखी जाएंगी।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगी।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करती रहोगी। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगी। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगी तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करती हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करती हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करती हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगी। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगी।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगी। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली

नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगी।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकती हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगी। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान की तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पति एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।